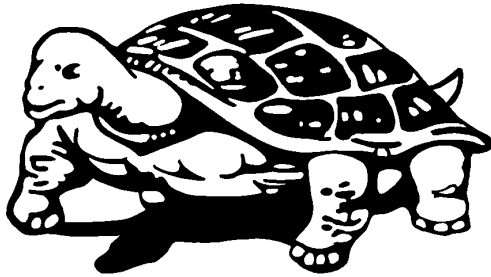
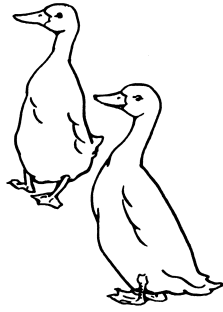


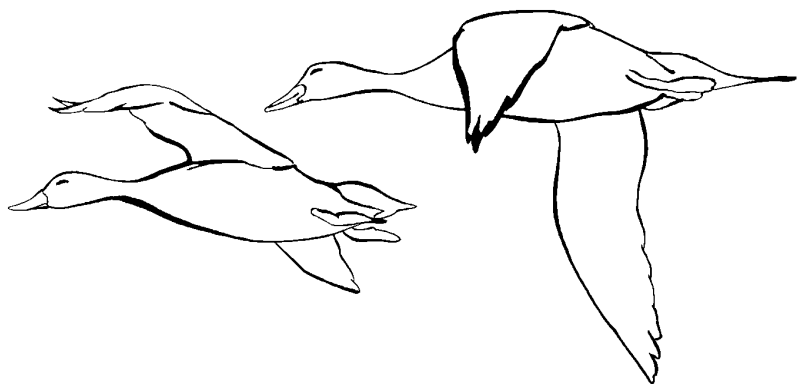
एकटा पोखरीमे अमन नामके
कछुवा रहै। ओईय दुगो
राजहाँस दोस्त सेहो रहै।
राजहाँसके नाम सिकि आ
विकि रहै। तिनो दोस्त सबदिन
पोखरी कात जाई।



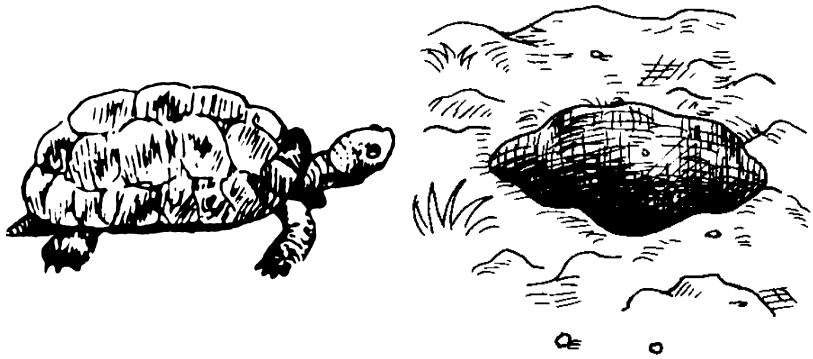
सबदिन महात्मा आ ऋषिके
बात करै। साँभक घर अबै।
देशमे बहुते दिनतक पाईन नै
परल। पोखरीसब सुईख गेल।
सबकोई चिन्तामे रहै कुछ नै
फुराई। एकदिन एगो उपाय
फुराएल।



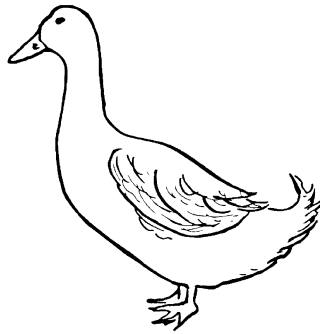
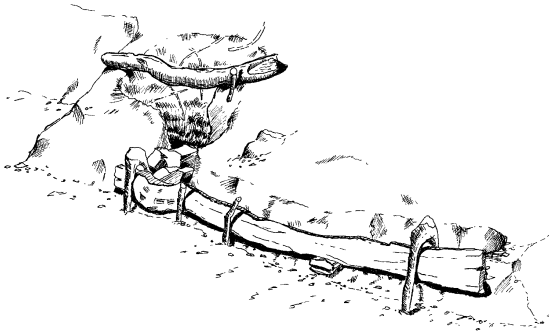
आब अत रहनाई ठिक नैहै।
कोनो उपाय खोज परत।
जल्दी अैयसे जाईपरत। नई त
अपनासब अत मैरजाब।
सिकि, विकि कहलक कतौ
पोखरी खोजपरत।



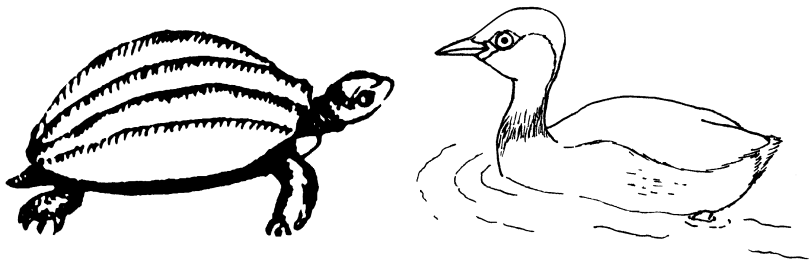
हमसब जल्दीये पोखरी पता
लगाक अबैछी। हमसब पता
लगेबै आहा जाईब केना। यी
त बडका समस्या भगेल। यैय
त जियके कोनो आस नैहै।
लेकिन जल्दीये पोखरी भेटब
आसहै।



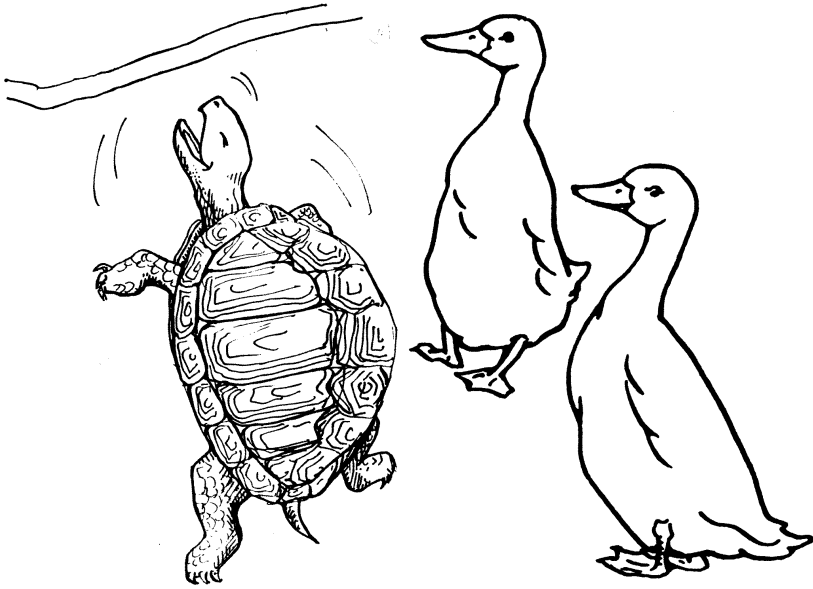
कछुवा कहलक जल्दीये
पोखरी पता लगाकआ। एकटा
काठसेहो जल्दी ताईकक
लाअ। हम मुहसे काठ कैसक
पकरबौ। तुसब लोलसे पकैरक
उरा।



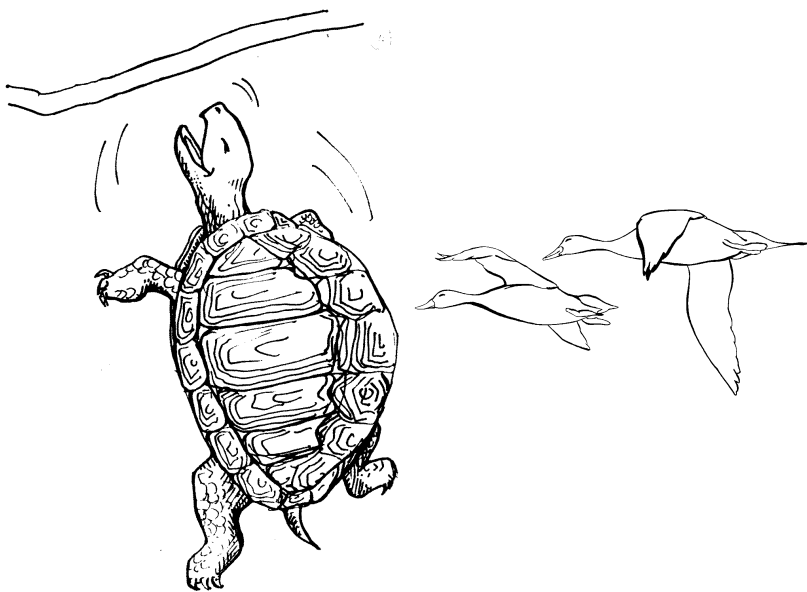
दुनु हाँस कछुवाके लेल
चिन्तित रहे। दुनु पोखरीके
खोजीमे बाहर गेल। ऊसब
केना केनाक एकटा पोखरी
भेटल। पोखरी बहुते दुर रहै।



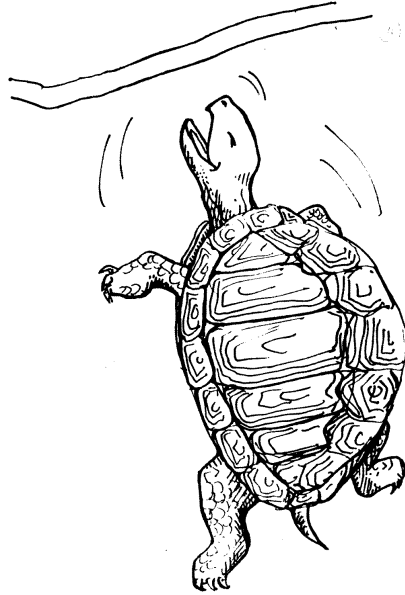
कछुवाके कहल पोखरी बहुते
दुर है। सबकोई ओतसे जाईके
लेल तयार भेल। जाईके दिन
सेहो तकलक।



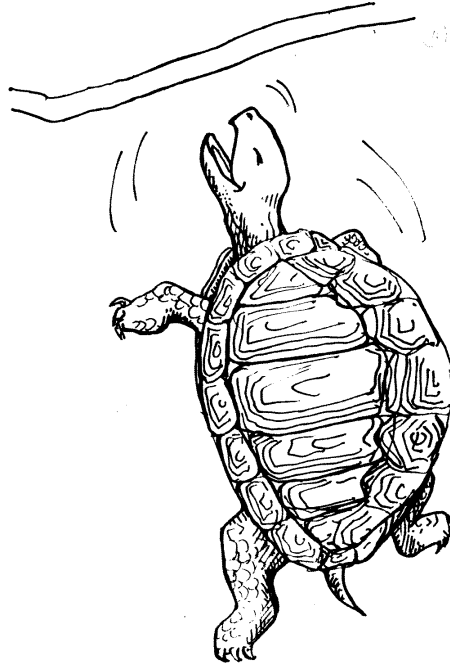
जाईके दिनो आएल। हाँस
एकटा मजगुत काठ खोजलक।
कछुवाके काठके बीचमे
पकरैला कहल।



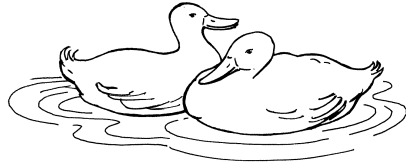
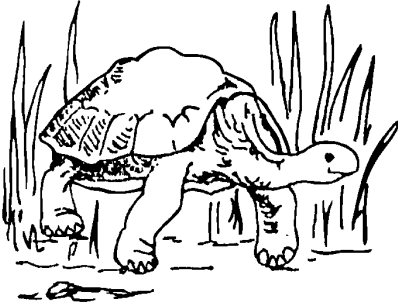
उरैतखान कोनो बात नै करब
कहलक। कछुवा नै बाजबसे
दोस्तके भरोसा देल। जब
उसब उरैत उरैत सहरमे गेल।



सहरमे लोकसब कहै देखु
उरैबाला कछुवा। कोई कहै
कछुवा केनाक उरतै। बेचारी
कछुवा नई बोलसकै है।



कछुवा नै सुईन सकल बहते
पितागेल। यी हला कईला
होईहै कहल। कछुवाके मुह
खुलल त काठ छुईठगेल।



कछुवा गिरगेल भुईयामे।
राजहाँस चैलगेल पोखरी मे।
कछुवा कहियोने पोखरी पुग
सकल। सबदिनकेलेल दोस्त
छुईटगेल।